Drishti IAS Presents...

PT SPRINT 2024

रक्षा/सुरक्षा

(मार्च 2023 – मार्च 2024)

Drishti IAS, 641, Mukherjee Nagar, Opp. Signature View Apartment, New Delhi

Drishti IAS, 21 Pusa Road, Karol Bagh New Delhi - 05

Drishti IAS, Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj, Uttar Pradesh

Drishti IAS, Tonk Road, Vasundhra Colony, Jaipur, Rajasthan

e-mail: englishsupport@groupdrishti.com, **Website:** www.drishtiias.com

Contact: 011430665089, 7669806814, 8010440440

अनुक्रम

- बदलती गतिशीलता के बावजूद भारत हथियारों के आयात में विश्व में प्रथम 3
- नशीली दवाओं की तस्करी में इंटरनेट की भूमिका 4
- लक्षद्वीप द्वीप समूह में INS जटायु 5
- डेफकनेक्ट 2024 6
- MILAN अभ्यास- 2024 7
- नौसेना भवन 8
- भारतीय नौसेना ने ASW SWC परियोजना के साथ आत्मनिर्भर भारत को आगे बढ़ाया 8
- स्वदेशी 1500 HP टैंक इंजन का परीक्षण-फायरिंग 8
- टाइगर ट्रायम्फ 9
- भारत और ब्राज़ील की पहली '2+2' वार्ता 9
- लामितिये -2024 9
- भारतीय सेना में शामिल हुआ AH-64E अपाचे हेलीकॉप्टर 10
- अभ्यास भारत शक्ति 10
- समुद्री सुरक्षा बेल्ट 2024 10
- नाटो का DIANA कार्यक्रम 10
- सी डिफेंडर्स-2024 11
- समुद्र लक्ष्मण 11

बदलती गतिशीलता के बावजूद भारत हथियारों के आयात में विश्व में प्रथम

चर्चा में क्यों ?

स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट के अंतर्राष्ट्रीय हथियार हस्तांतरण के नवीनतम आँकड़ों के अनुसार, भारत वर्ष 2019 से 2023 की अवधि के दौरान वैश्विक स्तर पर अग्रणी हथियार आयातक के रूप में उभरा है।

- इस समय-सीमा के दौरान, वर्ष 2014 से 2018 की अवधि की तुलना में भारत के आयात में 4.7% की वृद्धि हुई।

वर्तमान SIPRI डेटा की मुख्य विशेषताएँ क्या हैं ?

- **हथियार आयातक:** वर्ष 2019-23 में 10 सबसे बड़े हथियार आयातकों में से नौ, जिनमें भारत, सऊदी अरब और कतर शीर्ष 3 में शामिल हैं, जो कि एशिया तथा ओशिनिया या मध्य पूर्व के देशों में थे।
  - गौरतलब है, कि इस समय यूक्रेन दुनिया का चौथा सबसे बड़ा हथियार आयातक बनकर उभरा है।
- **हथियार निर्यातक:** संयुक्त राज्य अमेरिका, वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ा हथियार आपूर्तिकर्त्ता, ने वर्ष 2014-18 और वर्ष 2019-23 की अवधि के बीच हथियारों के निर्यात में 17% की वृद्धि देखी।
  - समवर्ती रूप से, फ्राँस विश्व का दूसरा सबसे बड़ा हथियार आपूर्तिकर्त्ता बन गया।
  - मज़बूत सैन्य-औद्योगिक क्षमता के साथ, यूरोप के पास वैश्विक हथियार निर्यात का एक तिहाई हिस्सा है।
  - इसके विपरीत, रूस में -53% की कमी के साथ आधे से अधिक की बहुत बड़ी गिरावट देखी गई।
- **भारत के हथियार आयात की गतिशीलता:** यद्यपि रूस भारत का प्राथमिक हथियार आपूर्तिकर्त्ता बना रहा, जो इसके हथियारों के आयात का 36% हिस्सा था, यह वर्ष 1960-64 के बाद पहली 5 वर्ष की अवधि थी जहाँ रूसी हथियार वितरण भारत के कुल हथियार आयात के आधे से भी कम थी।
  - भारत अब अपनी बढ़ती रक्षा ज़रूरतों को पूरा करने के लिये फ्राँस और अमेरिका जैसे पश्चिमी देशों की ओर रुख कर रहा है, साथ ही अपने घरेलू हथियार उद्योग को भी बढ़ावा दे रहा है।

SIPRI क्या है ?

- यह एक स्वतंत्र अंतर्राष्ट्रीय संस्थान है जो संघर्ष, आयुध, हथियार नियंत्रण और निरस्त्रीकरण पर अनुसंधान के लिये समर्पित है।
- इसकी स्थापना वर्ष 1966 में स्टॉकहोम (स्वीडन) में हुई थी।
- यह नीति निर्माताओं, शोधकर्त्ताओं, मीडिया और इच्छुक जनता को खुले स्रोतों पर आधारित डेटा, विश्लेषण एवं सिफारिशें प्रदान करता है।

हथियारों के आयात को कम करने के लिये भारत सरकार की हालिया पहल क्या हैं ?

- **परिचय:** भारत का दूसरा सबसे बड़ा सशस्त्र बल रक्षा क्षेत्र क्रांति के शिखर पर है।
  - अंतरिम बजट 2024-25 में रक्षा मंत्रालय को कुल 6.2 लाख करोड़ रुपए का आवंटन प्राप्त हुआ।
  - इस आवंटन के भीतर, ₹17.2 लाख करोड़ विशेष रूप से नई खरीद के लिये पूंजीगत व्यय के लिये नामित किये गए थे।
    - यह पूंजी आवंटन 2023-24 के बजट अनुमान की तुलना में 5.78% की वृद्धि दर्शाता है।
- **पहल:**
  - सकारात्मक स्वदेशीकरण सूचियाँ: सरकार उन विशिष्ट घटकों और उप-प्रणालियों की पहचान करने के लिये सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची जारी करती है जिनका निर्माण घरेलू स्तर पर किया जाना चाहिये।
    - सैन्य मामलों के विभाग ने हाल ही में 5वीं सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची जारी की है जिसमें 98 वस्तुएँ शामिल हैं, जो रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी विनिर्माण को और बढ़ावा देती हैं।
  - रक्षा क्षेत्र में बढ़ी FDI सीमा: इसे वर्ष 2020 में ऑटोमैटिक रूट से 74% और सरकारी रूट से 100% तक बढ़ा दिया गया है।
  - रक्षा औद्योगिक गलियारा: रक्षा विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिये तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश में दो समर्पित रक्षा औद्योगिक गलियारे स्थापित किये गए हैं।
    - उत्तर प्रदेश कॉरिडोर में आगरा, अलीगढ़, चित्रकूट, झाँसी, कानपुर और लखनऊ के नोड शामिल हैं।
    - तमिलनाडु कॉरिडोर में चेन्नई, कोयंबटूर, होसुर, सलेम और तिरुचिरापल्ली के नोड शामिल हैं।
  - रक्षा उत्कृष्टता के लिये नवाचार (idEX): iDEX का लक्ष्य रक्षा और एयरोस्पेस में नवाचार तथा प्रौद्योगिकी विकास के लिये एक पारितंत्र विकसित करना है।
    - यह उद्योगों, MSME, स्टार्टअप्स, इनोवेटर्स, अनुसंधान एवं विकास संस्थाओं और शिक्षाविदों जैसे विभिन्न हितधारकों को शामिल करते हुए उन्हें भारतीय रक्षा तथा एयरोस्पेस आवश्यकताओं के लिये अनुसंधान एवं विकास के लिये अनुदान, वित्त पोषण और समर्थन प्रदान करता है।

- इस पहल को कंपनी अधिनियम 2013 के तहत एक गैर-लाभकारी कंपनी के रूप में स्थापित डिफेंस इनोवेशन ऑर्गनाइज़ेशन (DIO) द्वारा वित्त पोषित और प्रबंधित किया जाता है।
- सृजन पोर्टल: यह विक्रेताओं के लिये उन रक्षा उपकरणों के निर्माण के अवसर खोजने के लिये वन-स्टॉप शॉप है जो पहले आयात किये जाते थे।
  - रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (DPSU) और अन्य सरकारी एजेंसियाँ उन विशिष्ट वस्तुओं के संबंध में विवरण पोस्ट करने के लिये सृजन का उपयोग कर सकती हैं जिनका वे देशज रूप से विकसित करना चाहते हैं।
  - इससे भारतीय कंपनियों को अपनी रुचि व्यक्त करने और उत्पादन में सहयोग करने का अवसर मिलता है।

नशीली दवाओं की तस्करी में इंटरनेट की भूमिका

चर्चा में क्यों?

हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय नारकोटिक्स नियंत्रण बोर्ड ने अपनी वर्ष 2023 की वार्षिक रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला कि ऑनलाइन नशीले पदार्थों की तस्करी ने अवैध बाज़ार में दवाओं की उपलब्धता बढ़ा दी है।

नशीले पदार्थों की तस्करी:

- नशीली दवाओं की तस्करी से तात्पर्य अवैध दवाओं का उत्पाद, निर्माण, वितरण और बिक्री से जुड़े अवैध व्यापार से है।
- इसमें अवैध दवा व्यापार से जुड़ी गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है, जिसमें कोकीन, हेरोइन, मेथमफेटामाइन और सिंथेटिक जैसी दवाओं के उत्पादन के साथ-साथ इन पदार्थों का परिवहन तथा वितरण भी शामिल है।
- नशीली दवाओं की तस्करी आपराधिक संगठनों के एक जटिल नेटवर्क के भीतर संचालित होती है जो सीमाओं, क्षेत्रों और यहाँ तक कि महाद्वीपों तक फैली हुई है।

अंतर्राष्ट्रीय नारकोटिक्स नियंत्रण बोर्ड की वार्षिक रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएँ क्या हैं?

- **क्षेत्रीय औषधि आपूर्ति रुझान:**
  - अफगानिस्तान में अवैध अफीम पोस्त की खेती (Opium Poppy Cultivation) और हेरोइन उत्पादन में प्रभावशाली तरीके से गिरावट आई है।
  - उत्तरी अमेरिका में ओपिओइड संकट (Opioid Crisis) के गंभीर परिणाम जारी हैं और मेथाडोन के अलावा अन्य सिंथेटिक ओपिओइड से होने वाली मौतों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जो वर्ष 2021 में 70,000 से अधिक तक पहुँच गई है।
  - मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले संगठन अमेज़न बेसिन में अवैध खनन, अवैध कटाई और वन्यजीव तस्करी में अपने कार्यों का विस्तार करना जारी रखते हैं।
  - कोलंबिया और पेरू में अवैध कोका झाड़ी की खेती का रिकॉर्ड स्तर क्रमशः 13% तथा 18% बढ़ गया।
  - कोकीन के लिये एक महत्त्वपूर्ण पारगमन क्षेत्र पश्चिम और मध्य अफ्रीका में वर्ष 2021 में कोकीन की बरामदगी रिकॉर्ड स्तर पर पहुँच गई।
  - ऐसा प्रतीत होता है कि अफगानिस्तान में यूरोप और ओशिनिया में अवैध रूप से निर्मित मेथामफेटामाइन की तस्करी के लिये दक्षिण एशिया को तेज़ी से निशाना बनाया जा रहा है।
  - प्रशांत क्षेत्र के द्वीपीय राज्य नशीले पदार्थों की तस्करी के मार्गों के पारगमन स्थलों से सिंथेटिक दवाओं के लिये गंतव्य बाज़ारों में बदल गए हैं।
    - यह समुदायों और उनकी सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों के लिये महत्त्वपूर्ण चुनौतियाँ पैदा कर रहा है।

इंटरनेशनल नारकोटिक्स कंट्रोल बोर्ड:

- इंटरनेशनल नारकोटिक्स कंट्रोल बोर्ड (INCB) संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय दवा नियंत्रण अभिसमयों के कार्यान्वयन के लिये स्वतंत्र एवं अर्द्ध-न्यायिक निगरानी निकाय है।
- इसकी स्थापना नारकोटिक ड्रग्स कन्वेंशन, वर्ष 1961 के अनुसार वर्ष 1968 में की गई थी।
- इसका सचिवालय ऑस्ट्रिया के वियना में स्थित है।
- इसका सचिवालय ऑस्ट्रिया के वियना में स्थित है।
  - भारत का नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, INCB के साथ सहयोग करता है।

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो

- इसका गठन भारत सरकार द्वारा वर्ष 1986 में स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 के तहत किया गया था।
- यह गृह मंत्रालय के अधीन सर्वोच्च समन्वय एजेंसी है।
- स्वापक औषधियों और मन:प्रभावी पदार्थों पर राष्ट्रीय नीति भारतीय संविधान के अनुच्छेद 47 पर आधारित है जो राज्य को स्वास्थ्य के लिये हानिकारक नशीली दवाओं के औषधीय प्रयोजनों को छोड़कर, उपभोग पर प्रतिबंध लगाने का प्रयास करने का निर्देश देता है।

नशीली दवाओं के खतरे को रोकने के लिये भारत द्वारा क्या पहल की गई हैं?

- **स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985:** यह किसी व्यक्ति को किसी भी नशीले पदार्थ या मन:प्रभावी पदार्थ के उत्पादन, रखने, बेचने, खरीदने, परिवहन, भंडारण और/या उपभोग करने से रोकता है।
  - अधिनियम के कार्यान्वयन में होने वाले व्यय को पूरा करने के लिये NDPS अधिनियम, 1985 के एक प्रावधान के तहत नशीली दवाओं के दुरुपयोग पर नियंत्रण के लिये राष्ट्रीय कोष भी बनाया गया था।
- **नशीली दवाओं की मांग में कमी के लिये राष्ट्रीय कार्य योजना:** सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने वर्ष 2018-25 के लिये दवा की मांग में कमी हेतु एक योजना तैयार की है।
  - यह योजना नशीली दवाओं पर निर्भर व्यक्तियों की निवारक शिक्षा, जागरूकता सृजन, पहचान, परामर्श, उपचार और पुनर्वास के साथ-साथ सरकारी एवं गैर-सरकारी संगठनों (NGO) के सहयोगात्मक प्रयासों के माध्यम से सेवा प्रदाताओं के प्रशिक्षण व क्षमता निर्माण पर केंद्रित है।
- **नशा मुक्त भारत अभियान (NMBA):** मादक द्रव्यों के सेवन की समस्या से निपटने और भारत को नशा मुक्त बनाने के दृष्टिकोण के लिये वर्ष 2020 में NMBA शुरू किया गया था। यह एक त्रि-आयामी योजना है जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं:
  - नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो द्वारा आपूर्ति पर अंकुश
  - सामाजिक न्याय और अधिकारिता द्वारा आउटरीच एवं जागरूकता व मांग में कमी के प्रयास
  - स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से उपचार
- **नशीली दवाओं के खतरे से निपटने के लिये अंतर्राष्ट्रीय संधियाँ और सम्मेलन:** भारत निम्नलिखित अंतर्राष्ट्रीय संधियों और सम्मेलनों का हस्ताक्षरकर्त्ता है:
  - नशीली दवाओं पर संयुक्त राष्ट्र अभिसमय (1961)
  - स्वापक औषधियों और मन:प्रभावी पदार्थों के अवैध व्यापार के विरुद्ध संयुक्त राष्ट्र अभिसमय (1988)
  - साइकोट्रॉपिक पदार्थों पर संयुक्त राष्ट्र अभिसमय (1971)
  - अंतर्राष्ट्रीय संगठित अपराध के विरुद्ध संयुक्त राष्ट्र अभिसमय (UNTOC) 2000

लक्षद्वीप द्वीप समूह में INS जटायु

चर्चा में क्यों?

लक्षद्वीप द्वीप समूह में उन्नत नौसैनिक अड्डे INS जटायु का जलावतरण भारत की समुद्री सुरक्षा रणनीति विशेषकर हिंद महासागर क्षेत्र में बढ़ते चीनी के प्रभाव के संदर्भ में एक महत्त्वपूर्ण प्रगति का प्रतीक है।

- इसके अतिरिक्त, भारतीय नौसेना ने कोच्चि में अपने पहले MH-60R मल्टी-रोल हेलीकॉप्टर स्क्वाड्रन इंडियन नेवल एयर स्क्वाड्रन (INAS) 334 का परिचालन किया, जो इसके रोटरी बेड़े और इसकी पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमताओं के लिये एक प्रमुख क्षमता वृद्धि है।

INS जटायु की मुख्य विशेषताएँ क्या हैं?

- INS जटायु, पूर्व में नौसेना टुकड़ी मिनिकॉय को लक्षद्वीप द्वीपसमूह में मिनिकॉय द्वीप पर एक उन्नत नौसैनिक अड्डे के रूप में नियुक्त किया गया है।
  - यह नौसेना प्रभारी अधिकारी (लक्षद्वीप), दक्षिणी नौसेना कमान के परिचालन नियंत्रण के तहत कार्य करेगा।
- यह बेस हिंद महासागर में भारतीय नौसेना की परिचालन पहुँच को बढ़ाने के साथ ही समुद्री डकैती विरोधी, मादक द्रव्य विरोधी और निगरानी कार्यों के लिये भी इसकी क्षमताओं को बढ़ाता है।
  - लक्षद्वीप द्वीपसमूह के सुदूर दक्षिणी एटोल मिनिकॉय में स्थित, INS जटायु रणनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण समुद्री संचार लाइनों की अनदेखी करता है, जो इस क्षेत्र में भारत की समुद्री उपस्थिति को सुदृढ़ करता है।
- हिंद महासागर में चीन की बढ़ती उपस्थिति के मद्देनज़र, INS जटायु भारत की समुद्री प्रभुत्व और क्षेत्रीय अखंडता को कमज़ोर करने के किसी भी प्रयास को संतुलित करने एवं रोकने की क्षमता को मज़बूत करता है।
- NS जटायु प्रभावी रूप से लक्षद्वीप में देश का दूसरा नौसैनिक बेस होगा। कवरत्ती में द्वीपों पर नौसेना के पहले बेस INS द्वीपरक्षक की शुरुआत वर्ष 2012 में की गई थी।
- INS जटायु में हवाई अड्डा और कर्मियों के आवास सहित अतिरिक्त बुनियादी ढाँचे की सुविधा होगी जिसका उद्देश्य नौसेना संचालन का समर्थन करना तथा व्यापक सुरक्षा कवरेज सुनिश्चित करना है।
- INS जटायु मिनिकॉय द्वीप पर स्थित है। मिनिकॉय द्वीप 8 डिग्री चैनल और 9 डिग्री चैनल जैसी महत्त्वपूर्ण समुद्री संचार लाइनों (SLOC) के मध्य स्थित है जिसके पारिणामस्वरूप यह अत्यधिक समुद्री यातायात के कारण होने वाले समुद्री प्रदूषण के प्रति अतिसंवेदनशील है।

- 8 डिग्री चैनल भारतीय मिनिकॉय द्वीप को मालदीव से अलग करता है।
- 9 डिग्री चैनल मिनिकॉय द्वीप को लक्षद्वीप द्वीपसमूह से अलग करता है।

लक्षद्वीप द्वीपसमूह

- भारत का सबसे छोटा केंद्रशासित प्रदेश, लक्षद्वीप (संस्कृत और मलयालम में अर्थ- 'एक लाख द्वीप') एक द्वीपसमूह है जिसमें कोच्चि से 220 किमी. और 440 किमी. के बीच स्थित 36 द्वीप शामिल हैं।
- इस द्वीपसमूह का कुल क्षेत्रफल केवल 32 वर्ग किमी. है जिनमें से मात्र 11 द्वीपों पर लोग निवास करते हैं। यह केंद्र के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन है।
- लक्षद्वीप हिंद महासागर में स्थित कोरलाइन द्वीपों की शृंखला का हिस्सा है जिसमें दक्षिण में मालदीव और भूमध्य रेखा के दक्षिण में चागोस द्वीपसमूह शामिल है।

INAS 334 स्क्वाड्रन से संबंधित मुख्य विशेषताएँ क्या हैं?

- भारतीय नौसेना एयर स्क्वाड्रन (INAS) 334, MH-60R हेलीकॉप्टर श्रेणी का पहला स्क्वाड्रन है, जिन्हें "सीहॉक्स" की संज्ञा दी जाती है। स्क्वाड्रन को INS गरुड़, कोच्चि में तैनात किया गया था।
- स्क्वाड्रन फरवरी 2020 में 24-विमानों के लिये संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ हस्ताक्षरित विदेशी सैन्य बिक्री (FMS) अनुबंध का एक हिस्सा है।
- MH 60आर सीहॉक ब्लैकहॉक हेलीकॉप्टर का एक समुद्री संस्करण है जो निम्नलिखित विभिन्न अनुप्रयागों के लिये डिज़ाइन किया गया है:
- हिंद महासागर क्षेत्र (IOR) में सीहॉक्स की तैनाती भारतीय नौसेना की समुद्री उपस्थिति को मज़बूत करने के साथ ही संभावित खतरों को दूर करती है तथा रणनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण इस क्षेत्र में एक सुरक्षित वातावरण निर्मित करती है।

भारतीय नौसेना के कमांड:

- इसमें तीन ऑपरेशनल एवं एक थियेटर कमांड शामिल हैं। प्रत्येक कमांड का नेतृत्व वाइस एडमिरल रैंक का एक फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ करता है। अंडमान एवं निकोबार कमांड, 2001: यह पोर्ट ब्लेयर,अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह पर आधारित एक एकीकृत त्रि-सेवा थियेटर कमांड है।
- इसमें भारतीय नौसेना, भारतीय सेना, भारतीय वायु सेना तथा भारतीय तटरक्षक बल शामिल हैं।

कमांड	स्थापना वर्ष	मुख्यालय	उत्तरदायित्व का क्षेत्र
पश्चिमी नौसेना कमांड	1963	मुंबई	अरब सागर, गुजरात से महाराष्ट्र तक समुद्र तट, जिसमें गोवा, लक्षद्वीप और मिनिकॉय द्वीप समूह शामिल हैं।
पूर्वी नौसेना कमान	1971	विशाखापत्तनम	बंगाल की खाड़ी, ओडिशा, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु की तटरेखा
दक्षिणी नौसेना कमान	1951	कोच्चि	हिंद महासागर, केरल, कर्नाटक और लक्षद्वीप तथा मिनिकॉय द्वीप समूह की तटरेखा

डेफकनेक्ट 2024

चर्चा में क्यों?

हाल ही में रक्षा मंत्रालय द्वारा डेफकनेक्ट 2024 का आयोजन किया है, जिसका उद्देश्य रक्षा उत्पादन में नवाचार, उद्यमशीलता एवं आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है।

- यह आयोजन रक्षा प्रौद्योगिकी में नवीनतम प्रगति को प्रदर्शित करने, सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्रों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के साथ-साथ रक्षा स्टार्टअप में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिये एक मंच के रूप में कार्य करता है।

नोट:

- **रक्षा उत्कृष्टता के लिये नवाचार (iDEX):**
  - वर्ष 2018 में लॉन्च किया गया iDEX, रक्षा उद्योग के आधुनिकीकरण में योगदान देने के लिये सरकार द्वारा की गई एक पहल है।
  - इसका उद्देश्य उद्योगों (जिसमें MSME, स्टार्ट-अप, व्यक्तिगत इनोवेटर्स, अनुसंधान एवं विकास संस्थान और शिक्षाविद् शामिल हैं) को शामिल करके रक्षा और एयरोस्पेस में नवाचार तथा प्रौद्योगिकी विकास को बढ़ावा देना है।
  - iDEX को रक्षा नवाचार संगठन (Defence Innovation Organization- DIO) द्वारा वित्त

पोषित और प्रबंधित किया जाएगा तथा यह DIO की कार्यकारी शाखा के रूप में कार्य करेगा।

- iDEX प्राइम व्यापक iDEX पहल के तहत एक विशिष्ट कार्यक्रम है, जो अधिक वित्तीय सहायता की आवश्यकता वाली बड़ी, अधिक जटिल चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करता है।
- वित्तीयन: iDEX प्राइम, iDEX के तहत अन्य कार्यक्रमों की तुलना में काफी अधिक अनुदान प्रदान करता है।
- विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये iDEX प्राइम के विभिन्न संस्करण मौजूद हैं:
  - iDEX प्राइम (X): नियमित iDEX प्राइम की तुलना में इस संस्करण में बड़ी चुनौतियाँ और अनुदान हैं।
  - iDEX प्राइम (स्प्रिंट): यह संस्करण भारतीय नौसेना के विशिष्ट समस्या विवरणों के लिये तेज़ विकास चक्र और छोटी समय सीमा पर केंद्रित है।

रक्षा नवाचार संगठन (DIO):

- रक्षा नवाचार संगठन (DIO), कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 8 के तहत गठित एक गैर-लाभकारी संगठन है।
- इसे हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (BEL) द्वारा वित्त पोषित किया जाता है। यह iDEX को उच्च स्तरीय नीति मार्गदर्शन प्रदान करता है।

iDEX के साथ इनोवेटिव टेक्नोलॉजीज़ का एसिंग डेवलपमेंट (ADITI) योजना क्या है?

परिचय:

- वर्ष 2023-24 से 2025-26 की अवधि के लिये 750 करोड़ रुपए की ADITI योजना रक्षा मंत्रालय के रक्षा उत्पादन विभाग (DDP) के रक्षा उत्कृष्टता के लिये नवाचार (iDEX) ढाँचे के अंतर्गत आती है।
- योजना के तहत, स्टार्ट-अप रक्षा प्रौद्योगिकी में अपने अनुसंधान, विकास और नवाचार प्रयासों के लिये 25 करोड़ रुपए तक की अनुदान सहायता प्राप्त करने के पात्र हैं।
- यह योजना युवाओं के नवाचार को बढ़ावा देगी और देश को प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद करेगी।
  - ADITI के पहले संस्करण में, 17 चुनौतियाँ- भारतीय सेना (3), भारतीय नौसेना (5), भारतीय वायु सेना (5) और रक्षा अंतरिक्ष एजेंसी (4) - लॉन्च की गई हैं।

उद्देश्य:

- इसका लक्ष्य प्रस्तावित समय-सीमा में लगभग 30 डीप-टेक महत्त्वपूर्ण नीतिक प्रौद्योगिकियों का विकास करना है।
- इसमें आधुनिक सशस्त्र बलों की अपेक्षाओं और आवश्यकताओं एवं रक्षा नवाचार इकोसिस्टम की क्षमताओं के बीच के अंतर को पाटने के लिये एक 'टेक्नोलॉजी वॉच टूल' बनाने की भी परिकल्पना की गई है।

रक्षा क्षेत्र से संबंधित सरकारी पहल क्या हैं?

- पहला नकारात्मक स्वदेशीकरण
- सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची
- रक्षा क्षेत्र हेतु नई FDI नीति
- रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया 2020
- रक्षा औद्योगिक गलियारा

MILAN अभ्यास- 2024

MILAN अभ्यास- 2024 हाल ही में INS विक्रांत के लिये आयोजित समापन समारोह के साथ संपन्न हुआ, जो विशाखापत्तनम में समुद्री चरण के अंत का प्रतीक है।

MILAN- 2024 क्या है?

- MILAN 2024 पूर्वी नौसेना कमान के तत्त्वावधान में विशाखापत्तनम में आयोजित द्विवार्षिक बहुपक्षीय नौसेना अभ्यास का 12वाँ संस्करण है।
- MILAN का केंद्रीय उद्देश्य मित्रवत नौसेनाओं के बीच पेशेवर संपर्क को बढ़ाना और समुद्र में बहुपक्षीय बड़ी सेना के संचालन में अनुभव प्राप्त करना है।
- इसका प्रारंभ वर्ष 1995 में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में हुई। इस संस्करण में इंडोनेशिया, सिंगापुर, श्रीलंका और थाईलैंड की नौसेनाओं ने भाग लिया।

वर्ष 2024 के अभ्यास में दो चरण शामिल थे:

- हार्बर चरण में अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सेमीनार, शहर परेड, तकनीकी प्रदर्शनियाँ, विशेषज्ञ आदान-प्रदान, युवा अधिकारी सभाएँ और खेल कार्यक्रम शामिल हैं।
  - अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सेमिनार का विषय था 'महासागरों में भागीदार: सहयोग, तालमेल, विकास'
- समुद्री चरण में मित्र राष्ट्रों, भारतीय नौसेना के वाहक और अन्य इकाइयों के जहाज़ों तथा विमानों की भागीदारी शामिल है।

भारतीय नौसेना से संबंधित हालिया प्रमुख विकास क्या हैं?

नए जहाज़ों का नियोजन:

- INS विक्रांत: भारत का पहला स्वदेश निर्मित विमानवाहक पोत, रक्षा विनिर्माण में आत्मनिर्भरता हासिल करने की दिशा में एक प्रमुख मील का पत्थर।

- INS मोरमुगाओ: एक स्टील्थ गाइडेड-मिसाइल विध्वंसक, सतह-विरोधी युद्ध क्षमताओं को बढ़ाने के लिये प्रोजेक्ट-15B का हिस्सा।
- INS वागीर: एक नई कलवरी श्रेणी की पनडुब्बी, जो नौसेना की पानी के नीचे की शक्ति को बढ़ाती है।
- IINS संध्याक: यह हाल ही में भारतीय नौसेना में शामिल किया गया पहला सर्वे वेसल लार्ज (SVL) जहाज़ है।

हाल के अधिग्रहण कार्यक्रम:

- प्रोजेक्ट 17A फ्रिगेट्स: स्वदेशी शिपयार्डों में निर्माणाधीन उन्नत स्टील्थ फ्रिगेट्स।
- प्रोजेक्ट 75I पनडुब्बियाँ: उन्नत स्टील्थ और मारक क्षमता वाली छह स्वदेशी रूप से डिज़ाइन की गई पनडुब्बियों के निर्माण का कार्यक्रम।

पनडुब्बी बचाव प्रगति:

- भारतीय नौसेना द्वारा वर्ष 2018 और वर्ष 2019 में यूनाइटेड किंगडम से उन्नत डीप सबमर्जेंस रेस्क्यू व्हीकल्स (DSRV) का अधिग्रहण, पनडुब्बी बचाव क्षमताओं को बढ़ाता है।
  - केवल 12 देशों के पास यह विशिष्ट तकनीक है और भारत उनमें से एक है जो इसके रणनीतिक महत्त्व को उजागर करती है।
- इसके अतिरिक्त हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड, विशाखापत्तनम द्वारा दो देशज रूप से निर्मित डाइविंग सपोर्ट वेसल्स (DSV) प्रस्तुत किये गए जो पनडुब्बी बचाव अभियान की क्षमता में वृद्धि करते हैं।
  - DSRV प्रणाली उन्नत सोनार प्रौद्योगिकी और रिमोटली ऑपरेटेड व्हीकल्स का उपयोग कर 1,000 मीटर की गहराई तक पनडुब्बियों का पता लगाने में सक्षम है।

नोट: भारतीय नौसेना ने हाल ही में घोषणा की कि उसने 900 किमी. की दूरी से ब्रह्मोस मिसाइल का उपयोग कर भूमि आधारित लक्ष्य को सफलतापूर्वक निशाना बनाया।

नौसेना भवन

हाल ही में केंद्रीय रक्षा मंत्री ने नई दिल्ली में भारतीय नौसेना के पहले मुख्यालय भवन 'नौसेना भवन' का उद्घाटन किया।

- इस भवन के निर्माण से पूर्व नौसेना की आधिकारिक गतिविधियाँ 13 अलग-अलग स्थानों से संचालित होती थी जिसके परिणामस्वरूप एक समेकित मुख्यालय की आवश्यकता थी।
  - भारतीय नौसेना के प्रमुख अड्डे मुंबई, गोवा, कारवार, कोच्चि, चेन्नई, विशाखापत्तनम, कोलकाता और पोर्ट ब्लेयर में स्थित हैं।
- इस भवन ने एकीकृत आवास मूल्यांकन के तहत ग्रीन रेटिंग IV हासिल की है।
- भारत-पाकिस्तान युद्ध 1971 के दौरान ऑपरेशन ट्राइडेंट में भारतीय नौसेना के जवाबी हमले का सम्मान करने के लिये प्रत्येक वर्ष 4 दिसंबर को भारतीय नौसेना दिवस मनाया जाता है।

भारतीय नौसेना ने ASW SWC परियोजना के साथ आत्मनिर्भर भारत को आगे बढ़ाया

हाल ही में भारतीय नौसेना के जहाज़ निर्माण कार्यक्रम ने 08 x ASW (एंटी-सबमरीन वारफेयर) शैलो वॉटर क्राफ्ट परियोजना के 5वें और 6वें जहाज़ों 'अग्रे' तथा 'अक्षय' के लॉन्च के साथ एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की।

- इन जहाज़ों का निर्माण भारतीय नौसेना के लिये कोलकाता में M/S गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (GRSE) द्वारा किया जा रहा है।
- ये जहाज़ पुराने अभय क्लास कार्वेट से अधिक उन्नत अर्नाला क्लास में संक्रमण का संकेत देते हैं, जो तटीय जल में पनडुब्बी रोधी और खदान बिछाने के संचालन के लिये डिज़ाइन किया गया है।
- यह परियोजना 80% से अधिक सामग्री घरेलू स्तर पर प्राप्त करके स्वदेशी रक्षा विनिर्माण को बढ़ावा देने की भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।
- उल्लेखनीय रूप से पिछले वर्ष, कुल 9 युद्धपोतों के लॉन्च के साथ 3 स्वदेशी युद्धपोतों/पनडुब्बियों की आपूर्ति की गई है, जो आत्मनिर्भरता के माध्यम से अपनी समुद्री क्षमताओं को मज़बूत करने के देश के दृढ़ संकल्प को रेखांकित करता है।

स्वदेशी 1500 HP टैंक इंजन का परीक्षण-फायरिंग

हाल ही में रक्षा सचिव ने मैसूर परिसर में BEML लिमिटेड (पूर्व में भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड) इंजन डिवीज़न में मुख्य युद्धक टैंकों के लिये देश के पहले स्वदेशी निर्मित 1500 हॉर्स पावर (HP) इंजन के प्रथम टेस्ट फायरिंग की अध्यक्षता की।

- 1500 HP इंजन सैन्य प्रणोदन प्रणालियों में एक नये बदलाव का प्रतिनिधित्व करता है, जिसमें उच्च शक्ति के समक्ष-भार का अनुपात, ऊँचाई वाले स्थानों, शून्य से नीचे तापमान और रेगिस्तानों सहित कठिन परिस्थितियों में संचालन क्षमता जैसी कई अत्याधुनिक विशेषताएँ शामिल हैं।

- आधुनिक तकनीक से सुसज्जित यह इंजन पूरी दुनिया में उपलब्ध सबसे आधुनिक इंजनों की बराबरी वाला है।

- भारत के पास कई मुख्य युद्धक टैंक (MBT) हैं, जिनमें T-90M भीष्म, अर्जुन MBT और K-9 वज्र शामिल हैं।
- BEML लिमिटेड, रक्षा मंत्रालय के तहत एक 'अनुसूची 'A' कंपनी है, जो महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है और भारत के रक्षा, रेल, विद्युत, खनन एवं बुनियादी ढाँचे जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सेवा प्रदान करती है।

टाइगर ट्रायम्फ

हाल ही में संयुक्त भारत-यू.एस. त्रि-सेवा मानवीय सहायता और आपदा राहत (HADR) अभ्यास, टाइगर ट्रायम्फ, पूर्वी समुद्र तट पर शुरू हुआ।

- अभ्यास का प्राथमिक उद्देश्य HADR संचालन के संचालन के लिये अंतर-संचालनीयता को बढ़ाना और दोनों देशों के सशस्त्र बलों के बीच तेज़ एवं प्रभावी समन्वय की सुविधा हेतु मानक संचालन प्रक्रियाओं (SOP) को परिष्कृत करना है।
- इस अभ्यास में हेलीकॉप्टर और लैंडिंग क्राफ्ट वाले जहाज़, भारतीय नौसेना के विमान, भारतीय सेना के जवान तथा वाहन, भारतीय वायु सेना के विमान एवं हेलीकॉप्टर एव रैपिड एक्शन मेडिकल टीम (RAMT) शामिल हैं।
- भारत और अमेरिका के बीच अन्य अभ्यास हैं–
  - युद्ध अभ्यास
  - वज्र प्रहार
  - कोप इंडिया

भारत और ब्राज़ील की पहली '2+2' वार्ता

भारत तथा ब्राज़ील ने प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा करते हुए अपनी पहली '2+2' रक्षा और विदेश मंत्रिस्तरीय वार्ता आयोजित की।

- यह वार्ता ऊर्जा, महत्त्वपूर्ण खनिज, प्रौद्योगिकी और आतंकवाद-रोध सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर केंद्रित थी।
- '2+2' रक्षा और विदेश मंत्रिस्तरीय संवाद में रणनीतिक तथा सुरक्षा-संबंधित मुद्दों के साथ-साथ राजनयिक मामलों पर चर्चा करने के लिये दो देशों के रक्षा तथा विदेश मंत्रियों के साथ-साथ उनके संबंधित समकक्षों की भागीदारी शामिल होती है।
- भारत प्रमुख रणनीतिक साझेदारों जैसे- अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जापान और रूस के साथ '2+2' संवाद वार्ता आयोजित करता है। भारत के सबसे प्रारंभिक और सबसे महत्त्वपूर्ण '2+2' वार्ता साझेदारी में अमेरिका का स्थान है।

लामितिये -2024

हाल ही में भारतीय सेना की टुकड़ी ने सेशेल्स रक्षा बलों (Seychelles Defence Forces- SDF) के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास "लामितिये -2024 (LAMITIYE-2024)" के 10वें संस्करण में भाग लिया।

- LAMITIYE, जिसका अर्थ क्रियोल भाषा में 'मैत्री' है (सेशेल्स में आधिकारिक भाषाओं में से एक) 2001 से एक द्विवार्षिक प्रशिक्षण कार्यक्रम रहा है।
- **उद्देश्य:** संयुक्त सैन्य अभ्यास का उद्देश्य शांति स्थापना संचालन पर संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अध्याय VII के तहत अर्ध-शहरी परिदृश्य में उप-पारंपरिक संचालन में अंतर संचालन को बढ़ाना है।
- **गतिविधियाँ:** प्रशिक्षण अभ्यास, युद्ध परिचर्चा, व्याख्यान और प्रदर्शन करना।
- **महत्त्व:** द्विपक्षीय सैन्य संबंधों का निर्माण और प्रचार, कौशल तथा अनुभवों का आदान-प्रदान करना।
- सेशेल्स मेडागास्कर के उत्तर-पूर्व में हिंद महासागर में एक द्वीपीय राष्ट्र है। यह देश अपने समुद्र तटों, मूँगा चट्टानों, प्रकृति भंडार एवं विशाल अल्दाबरा कछुओं सहित दुर्लभ प्रजातियों के लिये जाना जाता है।
  - अल्दाबरा एटोल, एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल तथा यह विश्व का सबसे बड़ा मूंगा एटोल है और साथ ही विश्व में सबसे बड़ी विशाल कछुआ आबादी का आवास भी है।

भारतीय सेना में शामिल हुआ AH-64E अपाचे हेलीकॉप्टर

भारतीय सेना एविएशन कोर ने राजस्थान के जोधपुर में AH-64E अपाचे लड़ाकू हेलीकॉप्टर के संचालन के लिये समर्पित अपनी पहली इकाई की स्थापना के साथ आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम उठाया।

- वर्ष 2020 में बोइंग ने भारतीय सेना के लिये छह और अपाचे हेलीकॉप्टरों के अधिग्रहण के लिये भारत सरकार के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किये।
  - AH-64 अपाचे विश्व का सबसे उन्नत बहुउद्देश्यीय लड़ाकू हेलीकॉप्टर है। अमेरिकी सेना एवं बढ़ती संख्या में अंतर्राष्ट्रीय रक्षा बलों द्वारा उपयोग किया जाता है।
- यह एक महत्त्वपूर्ण क्षण है क्योंकि स्वदेशी लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर प्रचंड के बाद अपाचे सेना के शस्त्रागार में दूसरा हमलावर हेलीकॉप्टर बन जाएगा।

अभ्यास भारत शक्ति

भारत की स्वदेशी रक्षा क्षमताओं का प्रदर्शन करते हुए, राजस्थान के पोखरण में "भारत शक्ति" नामक एक त्रि-सेवा लाइव फायर और युद्धाभ्यास आयोजित किया जा रहा है।

- इसमें उन्नत MIRV तकनीक के साथ लंबी दूरी की अग्नि मिसाइल का सफल परीक्षण शामिल था।
- अभ्यास में प्रदर्शित प्रमुख उपकरण और हथियार प्रणालियों में T-90 (IM) टैंक, धनुष तथा सारंग गन सिस्टम, आकाश हथियार प्रणाली, लॉजिस्टिक्स ड्रोन, रोबोटिक म्युल्स, उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर (ALH), नौसेना एंटी-शिप मिसाइल, हल्के लड़ाकू विमान तेजस, लाइट यूटिलिटी हेलीकॉप्टर एवं उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर शामिल हैं।
  - हालाँकि, LCA तेजस फाइटर जेट एक प्रशिक्षण अभ्यास के दौरान दुखद रूप से दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

समुद्री सुरक्षा बेल्ट 2024

ईरान, रूस एवं चीन द्वारा ओमान की खाड़ी में संयुक्त नौसैनिक अभ्यास शुरू किया। इस ड्रिल को "समुद्री सुरक्षा बेल्ट 2024" कहा गया। इस अभ्यास में युद्धपोत और विमानन को शामिल किया गया, वर्ष 2019 के बाद से उनका चौथा संयुक्त सैन्य अभ्यास है।

- अभ्यास के दौरान पाकिस्तान, कजाकिस्तान, अज़रबैजान, ओमान, भारत तथा दक्षिण अफ्रीका के नौसेना प्रतिनिधि पर्यवेक्षक के रूप में कार्य कर रहे हैं।
- ओमान की खाड़ी अरब सागर का पश्चिमी विस्तार है, साथ ही ईरान, ओमान एवं संयुक्त अरब अमीरात देशों के बीच मध्य पूर्व में स्थित है।
- यह खाड़ी अरब सागर को होर्मुज़ जलडमरूमध्य से जोड़ती है, जो फारस की खाड़ी में गिरती है।
  - ओमान की खाड़ी की सीमा उत्तर में पाकिस्तान एवं ईरान, पश्चिम में संयुक्त अरब अमीरात से तथा दक्षिण में ओमान से लगती है।

नाटो का DIANA कार्यक्रम

हाल ही में डिफेंस इनोवेशन एक्सेलेरेटर फॉर द नॉर्थ अटलांटिक (DIANA) पहल बोर्ड ने नागरिक और रक्षा दोनों उद्देश्यों हेतु प्रौद्योगिकी, नवाचार तथा व्यवसाय विकास को बढ़ावा देने के मिशन के साथ फिनलैंड में एक एक्सेलेरेटर एवं दो परीक्षण केंद्र स्थापित करने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है।

- डायना एक उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन द्वारा स्थापित संगठन है, जिसका उद्देश्य संपूर्ण गठबंधन में दोहरे उपयोग वाली नवाचार क्षमता में तीव्रता लाना है। यह कंपनियों को महत्त्वपूर्ण सुरक्षा चुनौतियों के लिये गहन तकनीक विकसित करने हेतु संसाधन, नेटवर्क और मार्गदर्शन प्रदान करता है।
- सभी नाटो देश डायना के सदस्य हैं। डायना निदेशक मंडल शासन के लिये ज़िम्मेदार है और इसमें प्रत्येक सहयोगी देश के प्रतिनिधि शामिल हैं।

सी डिफेंडर्स-2024

हाल ही में भारतीय तट रक्षक और यूनाइटेड स्टेट्स कोस्ट गार्ड (USCG) के बीच आयोजित संयुक्त समुद्री सुरक्षा अभ्यास 'सी डिफेंडर्स-2024' पोर्ट ब्लेयर, अंडमान तथा निकोबार द्वीप समूह में संपन्न हुआ।

- नौसैनिक अभ्यास में प्रदूषण प्रतिक्रिया उपायों के प्रदर्शन सहित कई परिदृश्य शामिल थे, जिसमें भारतीय तटरक्षक बल के जहाज़ और विमान तेल रिसाव तथा अन्य पर्यावरणीय खतरों से निपटने के लिये निवारक उपायों के अपने कौशल का प्रदर्शन किया।
  - अभ्यास में अवैध गतिविधियों में शामिल होने के संदेह वाले जहाज़ों का निरीक्षण करने के लिये विज़िट बोर्ड सर्च एंड सीज़र (VBSS) ऑपरेशन का भी अनुकरण किया गया।
- इस अभ्यास ने USCG और ICG दोनों कर्मियों को एक अनुरूपित परिदृश्य के माध्यम से अपने अग्नि नियंत्रण तथा हताहत जोखिम कम करने के कौशल को सुधारने के लिये एक मंच प्रदान किया।

समुद्र लक्ष्मण

हाल ही में भारत और मलेशिया के बीच समुद्र लक्ष्मण (द्विपक्षीय समुद्री अभ्यास) का आयोजन विशाखापट्टनम के तट पर संपन्न हुआ।

- इस अभ्यास में भारतीय नौसेना जहाज़ किल्टन और रॉयल मलेशियाई जहाज़ KD लकीर ने भाग लिया जिसका उद्देश्य दोनों नौसेनाओं के बीच संबंधों को मज़बूत करना तथा अंतरसंचालनीयता को बढ़ावा देना था।
- भारत और मलेशिया के बीच अन्य अभ्यास निम्नलिखित हैं:
  - उदारशक्ति अभ्यास: वायु सेना
  - हरिमाउ शक्ति अभ्यास: सेना